गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
(केंद्रीय विश्वविद्यालय)
प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक- 07/01/14

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राष्ट्रपति ने किया संबोधित-

बिलासपुर। माननीय राष्ट्रपति एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के विजिटर प्रणब मुखर्जी आज दिनांक 07 जनवरी 2014 को दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश भर के कई शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों को संबोधित किया।

माननीय राष्ट्रपति का संबोधन सुनने के लिए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभा कक्ष और रजत जयंती सभागार में विशेष प्रबंध किया गया था। प्रशासनिक भवन के सभा कक्ष में कुलपति डॉ लक्ष्मण चतुर्वेदी, सम कुलपति प्रोफेसर एमएसके खोखर, कुलसचिव कार्यवाहक प्रोफेसर आईडी तिवारी, ओएसडी प्रोफेसर पी के बाजपेयी सहित शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्षगण और छात्र परिषद के पदाधिकारीगण भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। तत्पश्चात कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित ने राष्ट्रपतिजी का परिचय कराया।

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपने संबोधन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े सभी शिक्षकों और छात्रों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने पिछले एक वर्ष में 45 केंद्रीय संस्थानों का दौरा किया जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही देश के केंद्रीय संस्थान दुनिया के 200 बेहतरीन संस्थानों की सूची में शामिल होंगे। शिक्षकों और छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति महोदय ने पिछले साल देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ राष्ट्रपति भवन में हुए सम्मेलन का भी जिक्र किया।

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने चिंता जताई कि करीब सवा सौ करोड़ की आबादी वाले इस देश से महज 8-9 ही नोबल विजेता निकले। जबकि एक दौर में भारत को अपने ज्ञान विज्ञान के आधार पर ही पुरी दुनिया में अलग स्थान प्राप्त था। उन्होंने कहा कि हमें एक बेहतर और सशक्त उच्च शिक्षा का ढांचा तैयार करना होगा जिससे आगे आने वाली पीढ़ियां देश को एक बार फिर शिक्षा के शिखर पर लेकर जाएं।

माननीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपने संबोधन के अंत में एक बार फिर सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एनकेएन यानी नेशनल नॉलेज नेटवर्क गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में मौजूद है जिसके जरिए आप दुनिया में किसी भी स्थान पर हो रहे व्याख्यान को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देखने और सुनने के साथ-साथ संवाद भी स्थापित कर सकते हैं। एनकेएन के तहत विश्वविद्यालय में कई व्याख्यान प्रसारित किए जा चुके हैं जिसमें एनकेएन के प्रमुख सैम पित्रोदा का लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी शामिल है। राष्ट्रपति के संबोधन को सुनने के लिए प्रशासनिक भवन और रजय जयंती सभागार में की गई व्यवस्थाओं से बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र मौजूद थे।